Question No. 124.

SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Mr. Chairman, sir, I have a request to make. Question No. 137 is more or less similar to this question. Question No. 137 is about launching of schemes on World Ozone Day. Therefore, I would request you to take up these questions together. If you see the reply to Question No. 137, the reply is also similar to the one being given to Question No. 124.

SHRI AJIT P.K. JOGI: Both can be combined.

SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: I would request you to club these two questions together.

SHRI AJIT P.K. JOGI: They are just the same.

MR. CHAIRMAN: It means jumping a lot, but okay.

SHRI SUSHILKUMAR SAMBAJIRAO SHINDE: Sir, the subject is the same and the answer is also the same.

MR. CHAIRMAN: All right, we can club them.

SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Thank you, Sir.

PROF. NAUNIHAL SINGH: Sir, if you permit me, I wish to take half a minute.

MR. CHAIRMAN: Please take it immediately.

PROF. NAUNIHAL SINGH: Sir, the hon. Member, Prof. Vijay Kumar Malhotra, has made a very important suggestion which was conceded by the hon. Minister as well. He asked, "How to do it?" I suggest that before granting degrees.....

MR. CHAIRMAN: We cannot go back to that now. I have called Mr. Kohli.

PROF. NAUNIHAL SINGH: Before granting degrees they should be posted in rural areas and degrees should be awarded after that.

MR. CHAIRMAN: Instead of going to rural areas, they would go to America. I know 90 per cent of them go to America.

Shri O.P. Kohli.

News Report Titled "Delays in project approval add to the woes of Ozone layer."

*124. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news report appearing in the Indian Express; dated the 17th September, 1996, under the caption "Delays in project approval add to the woes of Ozone Layer"; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (CAPT. JAI NARAIN PRASAD NISHAD): (a) Yes, Sir.

(b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

Till now, one hundred and six projects for India have been approved at a cost of US $29.75 million to phase out Ozone Depleting Substances (ODS) used in various industries under Aerosol, Foam, Halon, Refrigeration, Solvent and Production sector. Thirteen projects are pending with the Multilateral Fund and awaiting final approval. Four projects are pending, three of which have been received recently. One project which was received about one year back, required major revision as suggested by the Technology; and Finance Standing Committee. This has now been received back after revision. In addition Government of India recommended an umbrella project for Small Scale Industries to the Multilateral Fund. Thus it would be apparent that the projects are no being delayed. Further the Government of India has taken the following steps:

(i) Workshops have been organised to motivate industries to prepare and submit projects.

(ii) Mass awareness has been created of th need to protect the Ozone Layer throu various programmes.

(iii) Fiscal incentives are also being provic for phasing out Ozone Depletir Substances by industties.

(iv) Government has initiated action for framing rules under the Environment Protection Act, 1985 to regulate production and consumption of Ozone Depleting Substances.

Launching of schemes on World Ozone Day

*†137. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJI RAO SHINDE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether on the occasion of World Ozone Day, any schemes were launched to curb emission of Ozone depleting gases from various processing, including plying of vehicles in metropolises and other areas;

(b) if so, the details thereof;

(c) the extent of pollution caused by effluent from vehicles, factories, mills and various plants in different metropolitan cities;

(d) whether any assessment on adoption of eco-friendly technologies in industry was made by Government on the occasion; and

(e) if so, the details thereof?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क), (ख), (घ) और (ङ): जी नहीं तथापि अन्तर्राष्ट्रीय ओज़ोन दिवस व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया गया था।

(ग) प्रमुख शहरों में प्रदूषण फैलने का कारण वाहनों की बढ़ती संख्या, औद्योगिक उत्पादन तथा प्राकृतिक धूल भरी स्थितियों का होना है। महानगरीय शहरों में वाहनों से कुल वायु प्रदूषण का लगभग 60 प्रतिशत फैलता है। दस महानगरीय शहरों में मानीटर किए गए परिवेशी वायु गुणवता आंकड़ों से पता चलता हैं कि दिल्ली, कलकत्ता तथा मुंम्बई में निलम्बित धूलकणों के स्तर निर्धारित सीमा से अधिक है परन्तु सल्फरडाईआक्साइड और नाइट्रोजन के आक्साइडों के स्तर इनकी प्रारम्भिक सीमाओं से कम हैं।

श्री ओ॰पी॰ कोहली: सभापति महोदय, एयरोसोल, फोम, रेफ्रीजरेशन, साल्वेंट और प्रोडक्शन सेक्टर के अंतर्गत ऐसे बहुत से उद्योग हैं जो उन पदार्थों और रसायनों का प्रयोग करते हैं जिनमें ओजोन का श्रय होता है। ओजोन लेयर के क्षतिग्रस्त होने से चमड़ी के कैंसर और कैटेरेक्ट जैसे भयंकर रोगों के होने का खतरा बढ़ता जा रहा है इसलिए ओजोन डिप्लीटिंग सबस्टांसेज़ को फेज़ आउट करने और इन उद्योगों की उत्पादन टैक्नोलोजी तथा उत्पादन प्रक्रिया में परिवर्तन करना जरूरी हो गया है। इस संदर्भ में मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि देश में ऐसे कुल कितने उद्योग हैं जो ओजोन डिप्लीटिंग सबस्टांसेज़ का प्रयोग कर रहे हैं? इन उद्योगों की ओजोन डिप्लीटिंग सबस्टांसेज़ को फेज़ आउट करने की परियोजनाओं पर कुल कितना खर्च आने का अनुमान है और यह कार्य कब तक पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है?

कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद। श्रीमान, जैसे कि हमें माननीय सदस्य ने कहा है हमारी 191 की रिपोर्ट के मुताबिक ओ॰डी॰एस॰ की खपत 10 हजार 307 मीट्रिक टन है। जहां तक पदार्थों के खपत करने वाले आंकड़े का विवरण मांगा है वह फोम में 235 इंडस्ट्रीज़ हैं, रेफ्रीजरेशन में 30 हैं, साल्वेंट में 14 है, फायर एक्सटिंगुशर में 200 फैक्ट्रियां हैं, सी॰एफ॰सी॰ के उत्पादन करने की इकाइयां 5 हैं, छोटी-छोटी ईकाइयां एस॰एस॰आई॰ की करीब 6 हजार हैं, इनमें टोटल खर्चे के बारे में मैं जानकारी सदस्य महोदय को दे देना चाहता हूं इसकी कास्ट है आरासोल में 13 मिलियन अमेरिकन डॉलर हैं, फोम्स में 150 मिलियन डॉलर है।

कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद (क्रमागत) – हैलांस 36 मिलियन डॉलर्स, घरेलु रेफ्रीजरेशन 295 मिलियन डॉलर्स, कई प्रकार के रेफ्रीजरेशन एंड ए॰सी॰ 120 मिलियन डॉलर्स, साॅल्वेंट्स 104 मिलियन डॉलर्स, ट्रेड इन ऑफ रेफ्रीजरेटर एंड अदर एप्लायंसेस 325 मिलियन डॉलर्स, रिकवरी एंड रिसाइक्लिंग 50 मिलियन डॉलर्स, रासायनिक उत्पादन 466 मिलियन डॉलर्स, स्मॉल स्केल एंड इनफॉर्मल सैक्टर: अदर आर॰ एंड ए॰सी॰ 105 मिलियन डॉलर्सज फोम्स (नॉन रेफ्रीजरेटर) 84 मिलियन डॉलर्स, एरोसोल्स (फिलर्स ओन्ली) 21 मिलियन डॉलर्स, साॅल्वेंट्स 174 मिलियन डॉलर्स, फायर फाइटिंग 6 मिलिनय डॉलर्स, सब-टोटल 390 मिलियन डॉलर्स, प्रशासनिक लागत 15 मिलियन डॉलर्स और कुल 1964 मिलियन डॉलर्स खर्च आएगा।

SHRI AJIT P.K. JOGI: The reply is quite elaborate, Sir. We are satisfied with the reply.

श्री ओ॰ पी॰ कोहली: सभापति महोदय, मेरा दूसरा पूरक प्रश्न यह है कि क्या ओज़ोन का क्षय करने वाले पदार्थों और रसायनों का इस्तेमाल करने वाले नए उद्योगों की स्थापना पर रोक लगाने के लिए सरकार कोई

†The question was takn up alongwith question No. 124 because of the similar subject.